

अपंचीकृत वि. (तत्.) [अ+पंचीकृत] वेदांत वेदांत दर्शन के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया में पंचमहाभूतों (पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु) का पंचीकरण होता है, पंचीकरण=पंचमहाभूतों के विभाजन या सम्मिश्रण की प्रक्रिया जो (महाभूत) सृष्टि प्रक्रिया से पूर्व पंचीकृत न होकर सूक्ष्म अवस्था में रहते हैं।

अपंजीकृत वि. (तत्.) जो सूची, बही, पंजी अथवा रजिस्टर में अंकित न हो।

अपंडित वि.पुं. (तत्.) ज्ञानहीन, मूर्ख, निरक्षर।

अपंथ पुं. (तत्.) दै. अपथ वि. जो किसी पंथ या संप्रदाय-विशेष का न हो।

अपंथ वि. (तत्.) [अ+पंथ] 1. जो चलने लायक पंथ न हो 2. बुरा पंथ 3. कुमार्ग 4. बिना पंथ का।

अप उप. (तत्.) एक उपसर्ग जो शब्द के पूर्व लगाकर विषम, विपरीत, निषेधात्मक या बुरा अर्थ प्रकट करता है, यथा अपमान, अपव्यय, अपशब्द।

अप स्त्री. (तत्.) अम्बु, जल, सलिल, नीर आदि जो शुद्ध या प्राकृतिक हो।

अपकरण पुं. (तत्.) 1. अनिष्ट कार्य, दुराचार 2. बुरा बर्ताव, अपकार 3. किसी सही काम को अनुचित रूप से करना।

अपकरुण वि. (तत्.) निष्ठुर, निर्दय, कठोर।

अपकर्तन पुं. (तत्.) विधि. किसी धनराशि में की गई कटौती, जुमाने के रूप में कटौती, वचत।

अपकर्ता वि. (तत्.) [अप+कर्ता] किसी का अपकार करने वाला, बुरा करने वाला।

अपकर्म पुं. (तत्.) बुरा काम, खोटा कार्य, अधम कर्म; पाप।

अपकर्मा वि. (तत्.) [अप+कर्मा] 1. अपकर्म= बुरा कर्म करने वाला। दुष्कर्मी, दुराचारी 2. दूसरे की बुराई या निंदा करने वाला।

अपकर्ष पुं. (तत्.) नीचे की ओर या उल्टी दिशा में खींचना या लाना, उतार, पतन, हास, अवनति, क्षय, हीनता विलो. उत्कर्ष।

अपकर्षक वि. (तत्.) 1. अपकर्ष करने वाला 2. निरादर करने वाला।

अपकर्षण पुं. (तत्.) 1. अपमान, अनादर, तिरस्कार 2. हास या अवनति होना।

अपकर्षित वि. (तत्.) 1. जिसका अपकर्षण किया गया हो 2. जिसे बेढंगे रूप से खींचकर किसी को आगे या पीछे ले जाया गया हो।

अपकलंक पुं. (तत्.) घोर कलंक, घोर बदनामी।

अपकाजी वि. (तत्.) अपने ही काम पर अधिक ध्यान रखने की प्रवृत्ति वाला, मतलबी।

अपकामुक वि. (तत्.) [अप+कामुक] 1. जो अत्यधिक कामुकता वाला हो 2. अमर्यादित रूप से कामुक 3. लंपट।

अपकामुकता स्त्री. (तत्.) [अपकामुक+ता] 1. जिसमें अमर्यादित रूप से या अत्यधिक कामप्रवृत्ति का भाव हो 2. मासिक विकार से युक्त कामुकता 3. दुश्चरित्रता।

अपकार पुं. (तत्.) हानि, अहित, उपकार का विपरीत भाव।

अपकारक वि. (तत्.) अपकार करने वाला, क्षति पहुँचाने वाला, हानिकारक, विरोधी।

अपकारिता स्त्री. (तत्.) 1. किसी के अपकारी (अहितकर्ता) होने का भाव अपकारीपन 2. उपकार में प्रवृत्त होने की स्थिति अहितकर्तता।

अपकारी वि. (तत्.) अपकार करने वाला, अनिष्टकारी, अहितकारी।

अपकीर्ति स्त्री. (तत्.) अपयश, बदनामी, निंदा।

अपकृत वि. (तत्.) 1. जिसका अपकार किया गया हो, जिसकी हानि या कोई बुराई की गई हो 2. अपमानित, बदनाम विलो. उपकृत।

अपकृति स्त्री. (तत्.) अपकार, हानि, क्षति, बुराई।